ये अव्यक्त इशारे

एकान्तप्रिय बनो एकता और एकाग्रता को अपनाओ

2-02-2025

आपस के संस्कारों में जो भिन्नता है उसे एकता में लाना है। एकता के लिए वर्तमान की भिन्नता को मिटाकर दो बातें लानी पड़ेंगी – एक -एकनामी बन सदैव हर बात में एक का ही नाम लो, साथ-साथ संकल्पों की, समय और ज्ञान खजाने की इकॉनामी करो। फिर मैं समाकर एक बाप में सभी भिन्नता समा जायेगी।

Have love for solitude and imbibe unity and concentration.

We have to bring about unity in the differences of sanskars among ourselves. For unity, we have to finish the differences of the present time and imbibe two things: a) Be one who belongs to only the One and takes the name of the One alone. b) Be economical with your treasures of thought, time and knowledge. Then, "I" will become merged in the Father and all differences will finish.